हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 45 देहरादून, शनिवार, 05 अगस्त, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

उत्तराखंड में किराये की कोख होगी सुरक्षित ! बनेगा बोर्ड 3

कच्चे मकानों में रह रहे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाए : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 5 अगस्त , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय, देहरादून स्थित आपदा कन्ट्रोल पहुंचकर प्रदेश भर में जारी बारिश की स्थिति के संबंध में अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रुद्रप्रयाग जिले के गौरीकुंड में हुए हादसे में संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली।

उन्होंने गौरीकुंड में चल रहे राहत बचाव कार्य में तीव्र गति लाने के निर्देश दिए। साथ ही शासन स्तर से गौरीकुंड क्षेत्र में हर संभव मदद पहुंचाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश की प्रमुख नदियों के जलस्तर की जानकारी ली। उन्होंने कहा जिन भी क्षेत्र में जल स्तर बढ़ जाने से बाढ़ की समस्या आ रही है, उन सभी स्थानों पर अलर्ट जारी किया जाए, एवं सभी लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा भूस्खलन की दृष्टि से संवेद-नशील इलाकों के आसपास बनी इमारत एवं कच्चे मकानों में रह रहे लोगों को भी सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाए।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि गौरीकुंड में हुए हादसे के बाद लगातार राहत बचाव कार्य जारी है। लापता लोगों को ढूंढने हेतु सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। हादसे में मृतक एवं लापता लोगों के परिजनों से भी संपर्क किया जा रहा है। एसडीआरएफ जिला प्रशासन सभी टीमें मौके पर मौजूद हैं किसी भी स्थिति से निपटने के लिए शासन प्रशासन पूरी तरह तैयार है। इस दौरान अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, प्रमुख सचिव अभिनव कुमार सचिव आपदा रंजीत सिन्हा, एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

केदारनाथ में भरपूर बिजली सप्लाय करे यूपीसीएल : मुख्य सचिव

देहरादून , 5 अगस्त, मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु ने सचिवालय में केदारनाथ पुनर्निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान यूपीसीएल को निर्बाध एवं स्थिर विद्युत उपलब्धता सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने अधिकारियों से पावर कट के कारण कितनी देर कार्य बाधित रहा इसकी भी नियमित रिपोर्ट मुख्य सचिव कार्यालय को भेजे जाने के निर्देश दिए। उन्होंने सितम्बर माह से विद्युत पोल एवं अन्य उपकरणों को भी स्थापित किए जाने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने केदारनाथ पुनर्निर्माण कार्यों में आवरण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित किए जाने हेतु एक तंत्र तैयार किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केदारनाथ के कठोरतम वातावरण के अनुरूप आवरण सामग्री का उपयोग हो इसके लिए श्रेष्ठतम तकनीक, विशेषज्ञों एवं सामग्री का उपयोग किया जाए। उन्होंने सेंट्रल स्ट्रीट के कार्यों में तेजी लाने के लिए सभी भवनों की डीपीआर अगले एक सप्ताह में तैयार किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने जिलाधिकारी रूद्रप्रयाग को सभी साइट्स को शीघ्र से शीघ्र ठेकेदारों को उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने आवश्यक निर्माण सामग्री की कमी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी कार्यों का पर्ट चार्ट तैयार किए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी कार्यों को निर्धारित समय से पूर्ण करने हेतु आवश्यक निर्माण सामग्री के साथ ही उचित संख्या में कुशल श्रमिकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। निर्माण सामग्री की कमी होते ही उच्च स्तर पर अवगत कराया जाए ताकि निर्माण सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। कार्यों में ढिलाई बरत रहे ठेकेदारों पर भी कार्रवाई किए जाने के निर्देश मुख्य सचिव ने दिए। इस अवसर पर सचिव डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, सीईओ यूटीडीबी युगल किशोर पंत एवं अपर सचिव विनीत कुमार सहित अन्य उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

वन्यजीव संघर्ष वाले क्षेत्रों को चिन्हित करे वन विभाग : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 5 अगस्त , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड राज्य वन्यजीव बोर्ड की 19 वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए बंदरों और जंगली सूअरों की समस्या को दूर करने के लिए फोकस्ड होकर काम करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने बंदरों के बंध्याकरण के लक्ष्य को दोगुना करने के साथ ही इनका प्रैक्टिकल समाधान प्रस्तुत करने को कहा। मुख्यमंत्री ने मानव वन्यजीव संघर्ष राहत राशि का वितरण 15 दिनों में सुनिश्चित किए जाने की व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए। वन्यजीवों के हमले में किसी व्यक्ति की मृत्यु पर राहत राशि को 4 लाख से बढ़ाकर 6 लाख रूपए करने का प्रस्ताव जल्द से जल्द कैबिनेट में लाया जाए। मुख्यमंत्री ने मानव वन्यजीव संघर्ष को कम किए जाने की दृष्टी से आवश्यक कदम उठाने की बात कही। उन्होंने कहा वनों के समीप गांव में सोलर लाइट लगाए जाने, पब्लिक अवेयरनेस, पर्याप्त मात्रा में वन कर्मियों की नियुक्ति के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा जिन स्थानों पर मानव वन्यजीव संघर्ष अधिक होते हैं ऐसे क्षेत्रों को चिन्हित किया जाए। ताकि लोगों को पहले चेतावनी दी जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि फसलों को जंगली जानवरों से बचाने के लिए बायो फेंसिंग पर कार्य किया जाए। इको टूरिज्म, वाइल्ड लाइफ टूरिज्म और बायो फेंसिंग को बोर्ड की बैठक का नियमित एजेंडा बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड वाइल्ड-लाइफ हेल्पलाइन का भी लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने बाघों की संख्या में उत्तराखंड के तीसरे स्थान पर रहने पर बधाई देते हुए कहा कि इसमें स्थानीय लोग बधाई के विशेष पात्र हैं। राज्य के क्षेत्रफल को देखते हुए महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है। वाइल्ड लाइफ टूरिज्म की दृष्टि से इसका व्यापक प्रचार किया जाए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि लंबे समय से लंबित टाइगर प्रोटेक्शन फोर्स का गठन भी शीघ्र किया जाए। उन्होंने कहा टाइगर प्रोटेक्शन फोर्स बनाकर युवाओं को इससे जोड़ा जाए। वनों से लगे ग्रामीण इलाकों के लोगों की वन्यजीव संरक्षण में अहम भूमिका होती है। ऐसे में लोगों को अधिक से अधिक जागरूक भी किया जाए, समय-समय पर वन्यजीव रेस्क्यू एवं रैपिड एक्शन फोर्स की ट्रेनिंग भी लोगो को दी जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि चौरासी कुटिया को अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने को टाइम बाउंड तरीके से काम करना होगा। इसमें विलंब होने पर जिम्मेदारी तय की जायेगी। निर्णयों की क्रियान्विति तभी सम्भव है जब सम्बन्धित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के निर्देश पर वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 का संशोधन 2022 लाया गया है। इसके अनेक प्रावधान उत्तराखंड के हित में है। इसकी जानकारी संबंधित विभागों के अधिकारियों को जरूर होनी चाहिए।

बैठक में बताया गया कि मानव वन्यजीव संघर्ष निवारण प्रकोष्ठ और उत्तराखंड मानव वन्यजीव संघर्ष निवारण निधि की स्थापना की गई है। प्रकोष्ठ के अंतर्गत उत्तराखंड वन्यजीव हेल्पलाइन की भी स्थापना की गई है। मानव वन्यजीव संघर्ष राहत वितरण निधि नियमावली का संशोधित प्रस्ताव तैयार किया गया है। इसमें पूर्व में दी जा रही अनुग्रह राशि को बढ़ाने के साथ ही ततैया और मधुमक्खी से मनुष्य की मृत्यु पर भी अनुग्रह राशि का प्रावधान किया गया है।बैठक में केबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल, विधायक रेणु बिष्ट, राम सिंह कैड़ा, मुख्य सचिव एस एस संधु, डीजीपी अशोक कुमार, प्रमुख सचिव आर के सुधांशु, प्रमुख वन संरक्षक अनूप मलिक सहित राज्य वन्य जीव बोर्ड के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

इन 4 चीजों को रात में भिगोकर सुबह खाली पेट खाएं, कोलेस्ट्रॉल रहेगा कंट्रोल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 05 अगस्त : कल खराब लाइफस्टाइल के कारण मोटापा, थायराइड, कोलेस्ट्रॉल जैसी बीमारी आम हो चुकी है. हर घर में इससे पीड़ित एक व्यक्ति मिल जाएगा. अगर आपके परिवार में भी इन सारी गंभीर बीमारियों से पीड़ित है कोई तो, फिर आपको यहां पर एक ऐसा नुस्खा बताने जा रहे हैं जिसको आप रोज सुबह खाली पेट खाना शुरू कर दीजिए. फिर इन सारी बीमारियों को कंट्रोल करने में मदद मिलेगी. तो चलिए आज हम आपको बताते हैं उन 4 बीजों के बारे में जिसे आप रोज भिगोकर खा सकती हैं।

आपको रोज रात में 01 चम्मच मेथी, 01 चम्मच सूरजमुखी, 01 चम्मच अलसी के बीज, 02 बादाम, 04 किशमिश और 10 ओट्स एक साथ भिगोकर रात भर के लिए रख दीजिए, फिर अगली सुबह इनके बीजों के पानी को पी लीजिए बीज भी चबाकर खा लीजिए. इससे आपके नसों में जमे कोलेस्ट्रॉल को नसों से निकालकर फेंक देंगे ,सूरजमुखी के पोषक तत्व- सूरजमुखी के बीज में विटामिन बी1, बी3, बी6, मैग्नीशियम, फास्फोरस, प्रोटीन जैसे बहुत सारे पोषक तत्व होते हैं. मेथी डाइटरी फाइबर और अन्य पोषक तत्वों (न्यूट्रिएंट्स) का एक मुख्य स्रोत है. मेथी कई फाइटोकेमिकल्स जैसे अल्कलॉइड्स, कार्बोहाइड्रेट्स, अमीनो एसिड्स, मिनरल्स और स्टेरायडल सैपोनिन्स से भी भरपूर होती है. अलसी में ओमेगा-3 6,338mg, फाइबर 8mg, प्रोटीन 6 mg, विटामिन B1 31% आरडीए, मैंगनीज 30% आरडीए, मैग्नीशियम 30% आरडीए, फास्फोरस 19% आरडीए, सेलेनियम 10% आर डीए, इसके अलावा अलसी में विटामिन B6, आयरन, पोटेशियम, कॉपर और जिंक भी अच्छी मात्रा में पाया जाता है. बादाम ऊर्जा (575 ग्राम कैलोरी), वसा (949 ग्राम) प्रोटीन (21 ग्राम), फाइबर (12.2 ग्राम), पोटैशियम (670 मिलीग्राम), फ़ॉस्फोरस (484 मिलीग्राम) , मैग्नीशियम (268 मिलीग्राम), कैल्शियम (265 मिलीग्राम), विटामिन ई (26 मिलीग्राम), ओमेगा 3-फैटी ऐसिड (6 मिलीग्राम), आयरन (3.5 किलोग्राम)

टार्गेट पूरा नहीं किया, तो कंपनी ने कर्मचारियों को खिलाएं कच्चे करेले

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 05 अगस्त : किसी भी काम को लोगों से कराने के लिए रिवॉर्ड एंड पनिशमेंट पॉलिसी अपनाई जाती है. अगर काम वक्त पर अच्छी तरह से हो गया तो इनाम दिया जाता है और अगर काम नहीं हो पाए तो इसके लिए सज़ा भी दी जाती है. स्कूलों में सज़ा थोड़ी ज्यादा सख्त होती है लेकिन बड़े होने पर किसी को शारीरिक सज़ा नहीं दी जाती है. हालांकि अगर कॉर्पोरेट सेक्टर में सज़ाओं की बात की जाए तो चीन में ऐसा खूब होता है. यहां लोगों को अच्छी तरह से परफॉर्म न करने पर सज़ाएं देने के अजीबोगरीब मामले और वीडियो सामने आ चुके हैं. कभी उन्हें एक-दूसरे से थप्पड़ मरवाया जाता है तो कई बार कुत्तों की तरह पट्टा बांधकर चलने के भी मामले सामने आ चुके हैं. एक बार फिर से एक ऐसा ही मामला सुर्खियों में है.

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक चीन के जियांगसू प्रांत से ऐसा ही मामला सामने आया है. यहां एजुकेशन एंड ट्रेनिंग कंपनी की ओर से दर्जनों कर्मचारियों को कच्चे करेले खाने को मजबूर किया गया. सज़ा के तौर पर कर्मचारी कड़वे कच्चे करेले को खाते हुए कुछ वीडियो में दिखाई दिए. कंपनी की ओर से इसे रिवॉर्ड एंड पनिशमेंट स्कीम करार दिया गया है और बताया गया कि कर्मचारियों ने इस पर सहमति दी थी. कंपनी के प्रवक्ता ने बताया कि लोग दर्द से बचना चाहते हैं. कड़वे करेले कोई खाना नहीं चाहता, ऐसे में वे अगली बार कड़ा परिश्रम करेंगे. सोशल मीडिया पर लोग ये खबर सुनकर दंग हैं. उन्होंने कर्मचारियों का पक्ष लिया और कहा कि इससे अच्छा है कि वे उन्हें नौकरी से निकाल ही दें. बहुत से लोगों ने अपनी सज़ाओं का ज़िक्र भी किया, जो मिर्ची, काली मिर्च खिलाने और टॉयलेट वॉटर पिलाने तक पहुंच जाती हैं. ReplyFor-ward

साभार - सो.मी.

पेट में गर्मी बढ़ने पर दिखते हैं ये 7 लक्षण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट अगस्त : पेट में गर्मी के पीछे कई कारण हो सकते हैं। यह आमतौर पर किसी स्वास्थ्य समस्या या जीवन शैली की खराब आदतों के कारण देखने को मिलती है। जब पेट में गर्मी बढ़ जाती है, तो इसकी वजह से व्यक्ति को काफी असजता का सामना करना पड़ता है। इसमें पेट में जलन और दर्द जैसी समस्याएं देखने मिलती हैं। हालांकि, इस तरह के लक्षण पेट से जुड़ी आम स्थितियों में भी दिखते हैं। इसलिए अक्सर लोगों को यह समझने में काफी समय लग जाता है, कि लक्षण किसी आम स्थिति के कारण हैं या पेट में गर्मी के बढ़ने के कारण।हालांकि, पेट में गर्मी बढ़ने पर जलन और दर्द के अलावा भी कई संकेत और लक्षण भी देखने मिलते हैं, जिनकी मदद से आप अपने पेट में गर्मी की स्थिति का पता लगा सकते हैं। इन लक्षणों और पेट में गर्मी के इलाज के बारे में जानने के लिए हमने नारायण मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल के गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग के डॉ अभिषेक जैन से बात की। इस लेख हम हम आपको इसके बारे में विस्तार से बता रहे हैं।

पेट में गैसजलनब्लोटिंगमतलीभूख कम लगनापेट में दर्द और ऐंठनकुछ मामलों में दस्त की समस्या

अगर कोई व्यक्ति सामान्य से अधिक पेट से जुड़ी इन समस्याओं का सामना करता है, तो उन्हें तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। क्योंकि अगर समय रहते अगर इसका उपचार नहीं किया जाता है, तो यह कई गंभीर समस्याओं जैसे आंत में छाले, सूजन आदि का भी कारण बन सकता है।

उत्तराखंड : चीन सीमा पर बनेंगी तीन सुरंगें, 57 किमी में सिमट जाएगी 490 किमी की दूरी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली 05 अगस्त : भारत-चीन सीमा पर सेना की पहुंच आसान बनाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा उत्तराखंड में बड़ी परियोजनाओं पर काम किया जा रहा है। इसी कड़ी में राज्य की ओर से पिथौरागढ़ और चमोली जिले को सुरंग मार्ग से जोड़ने का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा गया है। योजना के तहत पिथौरागढ़ के जौलिंगकांग से चमोली के लप्थल के बीच 57 किमी की तीन सुरंगों और 20 किमी सड़क मार्ग का निर्माण किया जाएगा। परियोजना के परवान चढ़ने से न सिर्फ सेना बल्कि स्थानीय निवासियों को भी फायदा होगा। वर्तमान में जौलिंगकांग से लप्थल की दूरी 490 किलोमीटर है। सुरंग बनने पर यह दूरी घटकर 57 किमी रह जाएगी। हाल में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दिल्ली में पीएम नरेंद्र मोदी से हुई मुलाकात के दौरान भी इस प्रस्ताव को मंजूरी दिलाए जाने का प्रस्ताव दिया था।प्रोजेक्ट के तहत पहली सुरंग जौलिंग कांग में बेदाग से गो एवं सिपु तक बनाई जाएगी, जो कि 5 किलोमीटर लंबी होगी। साथ ही 20 किलोमीटर लंबी सड़क का भी निर्माण किया जाएगा। यह जौलिंगकांग एवं बेदांग की दूरी 161 किमी कम कर देगा। दूसरी सुरंग सिपु से तोला के बीच बनेगी, जो कि 22 किलोमीटर लंबी होगी। इसी तरह तीसरी सुरंग मिलम से लप्थल के बीच बनाई जाएगी, जो कि 30 किमी लंबी होगी। इससे पिथौरागढ़ की जोहार घाटी, दारमा वैली और चमोली का लप्थल सड़क मार्ग से जुड़ जाएगा। बता दें कि वर्तमान में ऐसा कोई सीधा मार्ग नहीं है जो जौलिंगकांग आईटीबीपी पोस्ट को चमोली के लप्थल में आईटीबीपी पोस्ट से जोड़ता हो। ये दोनों पोस्टें महत्वपूर्ण हैं और चीन सीमा से सटी हैं। अगर इन दोनों क्षेत्रों के बीच 57 किमी की सुरंगों का निर्माण हुआ तो 490 किमी की दूरी को कम किया जा सकता है। इससे सेना, एसएसबी और आईटीबीपी की राह आसान होगी। साथ ही क्षेत्र में पर्यटन बढ़ेगा और पलायन को रोकने में भी मदद मिलेगी।

उत्तराखंड में किराये की कोख होगी सुरक्षित ! बनेगा बोर्ड

साभार - सू.वि.

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 5 अगस्त , उत्तराखंड में निःसंतान दम्पत्तियों के लिए अच्छी खबर है। प्रदेश के हेल्थ मिनिस्टर डॉ धन सिंह रावत ने इस दिशा में बड़ा फैसला करते हुए राज्य में एआरटी व सरोगेसी क्लीनिक एवं बैंकों की स्थापना के लिये तेज़ी से काम करने के निर्देश दिए हैं । इसके लिये राज्य नोडल अधिकारी को अभी तक प्राप्त आवेदनों के सत्यापन में तेजी लाने के लिए कहा गया है। लेकिन साथ ही साथ एआरटी व सरोगेसी एक्ट से संबंधित केस में होने वाले दुरूपयोग को रोकने के लिये एक हेल्पलाइन नम्बर भी जारी करने को कहा है। हांलाकि स्वास्थ्य विभाग के हेल्पलाइन नम्बर 104 से इसको लिंक किया जायेगा।

सरोगेसी की जानकारी देगा हेल्पलाइन नम्बर

अगर आप सेरोगेसी की सोच रहे हैं तो इस खबर को पढ़ लीजिये क्योंकि राज्य एआरटी एवं सरोगेसी बोर्ड की द्वितीय बैठक प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने एआरटी व सरोगेसी क्लीनिक तथा एआरटी बैंकों की स्थापना को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। बोर्ड के अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री डा. रावत ने बताया कि राज्य में एआरटी क्लीनिक लेवल-1 के लिये 06 आवेदन तथा लेवल-2 के लिये 22 आवेदन विभिन्न मेडिकल संस्थानों से प्राप्त हुई। जबकि सरोगेसी क्लीनिक के लिये 7 आवेदन प्राप्त हुये हैं, जिनमें एम्स ऋषिकेश सहित अन्य निजी अस्पताल व नर्सिंग होम शामिल है।

एआरटी व सरोगेसी क्लीनिकों का शीघ्र होगा सत्यापनः डॉ. धन सिंह रावत

इसके अतिरिक्त सीएमओ की अध्यक्षता में शीघ्र जिला मेडिकल बोर्ड गठन की कार्यवाही पूर्ण करते हुये प्रत्येक जनपद में मेडिकल बोर्ड की अलग लॉगइन आईडी खोलने के निर्देश दिये गये ताकि सरोगेसी व एआरटी का लाभ लेने वाले दम्पतियों को समय पर जिला मेडिकल बोर्ड की संस्तुति मिल सके। हांलाकि इसके अतिरिक्त बोर्ड में एक महिला व एक पुरूष को विशेष आमंत्रित सदस्य नामित करने का भी निर्णय लिया गया।

आपको बता दें कि बोर्ड सदस्य विधायक कैंट सविता कपूर, विधायक भगवानपुर ममता राकेश, प्रमुख सचिव न्याय नरेन्द्र दत्त, अपर सचिव स्वास्थ्य व सदस्य सचिव अमनदीप कौर, महानिदेशक स्वास्थ्य डॉ. विनीता शाह, डॉ. लतिका चावला, डॉ. मीनू वैश्य, डॉ. अनीता रावत, बिंदुवसिनी, हेमलता बहन, लॉरेन्श सिंह, अरूणा नेगी चौहान, डॉ. सुनीता चुफाल, डॉ अमलेश सहित विभागीय अधिकारीयों ने अपनी अपनी राय और सुझाव दिए हैं।

11 अगस्त को देहरादून में होगा किसान गोष्ठी का आयोजन : मंत्री गणेश जोशी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 05 अगस्त : प्रदेश के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने कृषि एवं उद्यान विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में मंत्री ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए विभाग की योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी से कार्य करने निर्देश दिए। मंत्री ने परंपरागत कृषि विकास योजना (PKVY) के अंतर्गत आउटलेट के कार्यों में तेजी और तय समय सीमा के भीतर पूर्ण करने के भी निर्देश दिए।

विभागीय मंत्री ने अधिकारियों को कार्य प्रणाली में सुधार लाने के भी निर्देश दिए। बैठक में मंत्री ने उद्यान विभाग के अधिकारियों को कहा एप्पल मिशन पर विशेष ध्यान दिया जाए। मंत्री ने कहा सरकार किसानों, बागवानों के लिए अनेक योजनाएं चला रही है। किसान को उसका अधिक से अधिक लाभ पहुंचे इस पर विशेष ध्यान दिया जाय। मंत्री ने अधिकारियों को आगामी 11 अगस्त को प्रदेशभर के सभी सेब काश्तकारों को देहरादून किसान भवन में एक गोष्ठी के आयोजन के भी निर्देश दिए।

मंत्री ने कहा प्रदेश के सभी सेब काश्तकारों को एक गोष्टी के माध्यम से सेब काश्तकारों के साथ उनके सुझाव को लिया जाएगा और सेब नीति (एप्पल पॉलिसी) किसानों के सुझाव किया जाएगा, ताकि किसानों को उसका लाभ मिल सके। बैठक में उन्होंने कहा मंडी किसानों के लाभ के लिए बनाई गई है, लेकिन किसानों को जगह अन्य लोग को इसका लाभ मिल रहा है। मंत्री ने अधिकारियों को एक मेकेनिज्म तैयार करने के भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में मंत्री ने कोल्ड चैन डेवलप करने के भी निर्देश दिए।उन्होंने अधिकारियों को वैन के माध्यम से दो गाड़ियां गढ़वाल और दो गाड़ियां कुमाऊं में लगाई जाए। ताकि किसान की पैदावार को उचित समय में उनकी फसल का किसानों को उचित दाम मिल सके।

मंत्री ने बैठक में औद्यानिक फसलों के ढूलान के लिए रोपवे का निर्माण किया जाए। उन्होंने अधिकारियों की शीघ्र रोपवे का इस्टीमेट तैयार करने के निर्देश दिए। मंत्री ने अधिकारियों को किसानों के हितों में भविष्य के लिए दीर्घकालिक रणनीति बनाई जाए। बैठक में मंत्री ने सेब की एमएसपी बढ़ाने पर भी अधिकारियों को पुनरीक्षण करने के भी निर्देश दिए।

संक्षिप्त खबरें

सीओ ने किया टनकपुर कोतवाली का निरीक्षण

चम्पावत। टनकपुर कोतवाली का सीओ अविनाश वर्मा ने शुक्रवार को अद्र्धवार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने उन्होंने शस्त्रों, उपकरणों और तमाम सरकारी अभिलेखों की गहनता से जांच की। सीओ ने मंगलवार को कोतवाली का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सर्वप्रथम कोतवाल चंद्र मोहन सिंह की टीम ने सीओ को सलामी दी। सीओ ने कर्मचारियों की समस्याओं के बारे में पूछा। उन्होंने मालखाना, शस्त्रागार, आपदा उपकरणों, सीसीटीएनएस, मैस, बैरक, सरकारी भवनों, आवास परिसर, लावारिस वाहनों और कार्यालय अभिलेखों की गहनता से जांच की गई। यहां एसएसआई बची सिंह बिष्ट, एसआई जितेंद्र सिंह, हरवंश राणा, शंकर दत्त, नीलम वर्मा, सावित्री सैला आदि रहे।

केंद्र परिसर में लगाए औषधीय पौधे

चम्पावत। कर्णकरायत स्थित आयुष हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर में शुक्रवार को औषधीय प्रजाति के पौधे लगाए गए। जिला पंचायत अध्यक्ष ज्योति राय, जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. आनंद सिंह गुसाईं, ग्राम प्रधान बुंदेलाढेक आरती देवी ने लैमन ग्रास, तिमिर, रीठा, बिजौरा, नींबू, कचनार, तेजपात आदि के पौधे लगाए। डा. गुसाईं ने कहा कि आयुष केंद्र पर मात्र एक रुपये में पंचकर्म, योग, खून व पेशाब संबंधी जांच उपलब्ध हैं। यहां डॉ. रवीश गडक़ोटी, डॉ. सुधाकर गंगवार, डॉ. अजय रस्तोगी, डॉ. अनुज अग्रवाल, डॉ. धीरज रावत, डॉ. उमेश भारती, डॉ. प्रकाश सिंह, देवेंद्र पंवार आदि मौजूद रहे।

अघोषित बिजली कटौती से लोग परेशान

चम्पावत। टनकपुर बनबसा में अघोषित बिजली कटौती से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बिजली कटौती से सुबह के समय लोगों को पानी की समस्या से जूझना पड़ रहा है। बिजली कटौती से जहां एक तरफ सरकारी कार्यालयों, बैंकों में काम प्रभावित हो रहे हैं। स्थानीय निवासी अनिल चौधरी, अजय गुरुरानी, सौरभ खर्कवाल, प्रकाश चंद्र चौड़ाकोटी, दीपक भट्ट, नीरज भट्ट, नितिन मंगला, बसंत जोशी, हेमंत जोशी, जगदीश जुकरिया आदि का कहना है कि गुरुवार रात भी बनबसा में बिजली के तारों में पेड़ गिरने से सुबह तीन घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही थी। ऊर्जा निगम के अपर सहायक अभियंता मयंक भट्ट ने बताया कि बनबसा में बिजली के तार में पेड़ गिरने से बिजली आपूर्ति बाधित हुई थी। जिसे लाइन मैन ने बारिश के दौरान ही रात में सही कर दिया था।

मेडिकल काउंसिल सदस्यों का कार्यकाल पांच साल ही रहेगा

नैनीताल। हाईकोर्ट ने मेडिकल काउंसिल ऑफ उत्तराखंड के सदस्यों का कार्यकाल पांच वर्ष के बजाय तीन वर्ष किए जाने के सरकार के आदेश को चुनौती देती याचिका पर सुनवाई की। न्यायमूर्ति रविन्द्र मैठाणी की एकलपीठ ने सरकार के तीन वर्ष के आदेश को निरस्त करते हुए पूर्व के आदेश को बरकरार रखा है। मामले के अनुसार देहरादून निवासी अजय खन्ना ने याचिका दायर कर कहा है कि मेडिकल काउंसिल ऑफ उत्तराखंड के सदस्यों का कार्यकाल पांच वर्ष निर्धारित है। जिसे सरकार ने 12 मार्च 2023 को शासनादेश जारी कर तीन वर्ष कर दिया है। सरकार के इस आदेश से मेडिकल काउंसिल के बोर्ड को भंग कर दिया गया।

छात्रा से दुराचार का आरोपी गिरफ्तार

विकासनगर। कालसी तहसील की एक युवती से दुराचार के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर दिया है। आरोपी को राजस्व पुलिस ने कोर्ट में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है। एक अगस्त को कालसी तहसील क्षेत्र के एक गांव की युवती ने राजस्व पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 24 जुलाई को अपनी बारहवीं की मार्कसीट लेने स्कूल गयी थी। जब घर लौट रही थी तब रास्ते में उसे मुन्नादास पुत्र वालिया निवासी ग्राम सुपऊ तहसील कालसी मिला। आरोपी उसे घसीटकर जंगल की ओर ले गया और दुराचार किया।

पौड़ी गढ़वाल पुलिस की नवादा, बिहार में धमक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

- लम्बे समय से फरार वांछित 5 हजार के इनामी गैंगस्टर पवन सोनी को पौड़ी पुलिस ने नवादा, बिहार से गिरफ्तार कर भेजा जेल
- अभियुक्त पहाड़ी भोली-भाली महिलाओं से जेवरात चमकाने के नाम पर करता था धोखाधड़ी।
- वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी श्वेता चौबे के निर्देश में ईनामियों की धरपकड़ लगातार जारी।

वर्ष 2021 में थाना सतपुली क्षेत्र व वर्ष 2022 में थाना रिखणीखाल क्षेत्र के अन्तर्गत एक संगठित गिरोह द्वारा पहाड़ के गांव की भोली-भाली महिलाओं से जेवरात को चमकाकर उन जेवरात को नया बनाने व धोखाधड़ी कर वास्तविक जेवरात को ले जाने का गैंग सक्रिय था। जिसमें वादिनी ऋतु नेगी, नि0- दुधारखाल द्वारा थाना सतपुली पर मु0अ0स0 5/21, धारा-34/ 420 भा0दवि0 व वादी श्री हीरा सिंह नि0-रिखणाखाल द्वारा थाना रिखणीखाल पर मु0अ0स0-13/22, धारा-420 /406 भादवि0 पंजीकृत कराये गए। जिनमें संलिप्त अभियुक्तों (1) मुख्य अभियुक्त (गैंग-लीडर) पवन सोनी पुत्र उमेश साह, निवासी ग्राम-कोलबड्डा, थाना-मेहरमा, जनपद-गोड्डा, झारखण्ड, मूल निवासी ग्राम समेली, थाना-फलका, जिला-कटिहार, बिहार (2) खंतार मण्डल पुत्र जग्गू मंडल, निवासी-ग्राम महेशपुर, वार्ड नं0-05 थाना-मनिहारी, जिला कटिहार बिहार, (3) चन्दन पुत्र अशोक साह, निवासी-ग्राम बावनगंज, थाना-कोटा, जिला-कटिहार, बिहार एवं (4) वीरेन्द्र शाह पुत्र स्व0 सिकन्दर शाह, निवासी-ग्राम बावनगंज, वार्ड नं0-09, थाना- कोहरा, जिला-कटिहार, बिहार को गिरफ्तार कर पूर्व में जेल भेजकर माननीय न्यायालय में आरोप पत्र प्रेषित किये गए।

अभियुक्तों का गैंग सक्रिय होने के कारण वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदया पौड़ी श्रीमती श्वेता चौबे के आदेशानुसार थाना रिखणीखाल पर दिनांक 26.01.2023 को उक्त गैंग के विरुद्ध मु0अ0स0- 02/23, धारा-2/3 गैंगस्टर एक्ट पंजीकृत किया गया। जिसकी विवेचना वरिष्ठ उपनिरीक्षक श्री रियाज अहमद के सुपुर्द की गयी। जिसमें सभी गैंग के 03 सदस्यों को पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। अभियोग उपरोक्त में मुख्य गैंगलीडर पवन सोनी लगातार फरार चल रहा था। जिसके विरुद्ध माननीय न्यायालय लैंसडाउन न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा भी थाना रिखणीखाल पर पंजीकृत मु0अ0स0-13/22, धारा-420/406 में गैर जमानती वारंट 82 CrPc व उद्घोषणा 83 CrPc कुर्की के आदेश पारित किए गए थे।

मामले की गंभीरता देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदया द्वारा अभियुक्त पवन सोनी पर ₹5000/- का इनाम घोषित करते हुये अभियुक्त की शीघ्र गिरफ्तारी करने के लिए पुलिस टीम गठित करने हेतु आदेशित किया गया।जिसके क्रम में श्री शेखर चन्द्र सुयाल अपर पुलिस अधीक्षक कोटद्वार के निर्देशन, श्री विभव सैनी क्षेत्राधिकारी कोटद्वार के पर्यवेक्षण, विवेचक उपनिरीक्षक रियाज अहमद के नेतृत्व में टीम गठित की गयी। गठित टीम द्वारा दिनांक 03.08.2023 को गैंगस्टर में वांछित ईनामी अभियुक्त पवन सोनी (गैंग लीडर) को मोहल्ला माल गोदाम, थाना-नगर नवादा, जनपद- नवादा, बिहार से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदया द्वारा पुलिस टीम को उत्साहवर्धन हेतु ₹5,000/- का नगद पारितोषिक प्रदान करने की घोषणा की गयी।

पवन सोनी पुत्र उमेश शाह, निवासी-ग्राम- कोलबड्डा, थाना-मेहरमा, जिला-गोड्डा, झारखंड। मूल निवासी-ग्राम समेली, थाना-फलका, जिला-कटिहार, बिहारमु0अ0स0- 02/23, धारा-2/3 गैंगस्टर एक्ट1. वरिष्ठ उपनिरीक्षक रियाज अहमद-थाना लैंसडाउन2. अपर उपनिरीक्षक कृपाल सिंह -थाना रिखणीखाल3. मुख्य आरक्षी सुशील कुमार-थाना रिखणीखाल

नैनीताल : जंगल में घास लेने गई महिलाओं पर हाथियों के झुंड ने किया हमला, 1 की मौत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 05 अगस्त : उत्तराखंड से एक दुखद खबर सामने आई है. ये खबर नैनीताल के रामनगर की है। यहां मवेशियों के लिए चारा लेने गई महिलाओं पर हाथियों के झुंड ने एक साथ हमला कर दिया। रामनगर के ग्राम टेडा की रहने वाली अनीता अपने मवेशियों के लिए जंगल में घास लेने गई थी। इस दौरान अचानक वहां विशालकाय हाथियों का झुंड आ गया। झुंड ने अनीता और उसके साथ आई महिला पर हमला बोल दिया। अनीता के साथ आई महिला ने तो भागकर अपनी जान बचा ली लेकिन अनीता हाथियों के हमले का शिकार हो गई। मौके से भागी हुई महिला ने अनीता के घरवालों के इस बात की जानकारी दी तो सभी के हाथ पांव फूल गए। जब तक गांव के लोग मौके पर पहुंचे, तब तक हाथियों का झुंड मौके से जा चुका था और अनीता बुरी तरह घायल हो गई थी।आनन फानन में अनीता को अस्पताल ले जाया गया लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। डॉक्टरों ने अनीता को मृत घोषित कर दिया। आपको बता दें कि टेड़ा गांव के पास के जंगलों में काफी हाथी रहते हैं। हाथियों ने दोनों महिलाओं को खतरा समझ उन पर हमला बोल दिया। हमले में अनीता की मौत से गांव में मातम पसरा हुआ है।

स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप : 25 मीटर सेंटर फायर पिस्टल में जौनसार के बुरास्वा गाँव की आंकक्षा ने जीत स्वर्ण

विकासनगर। देहरादून के पौंधा में चल रही उत्तराखंड स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में जौनसार के बुरास्वा गांव की बेटी आकांक्षा रावत ने 25 मीटर सेंटर फायर पिस्टल में दूसरी बार प्रदेश में पहला स्थान हासिल कर सोने का तमगा अपने नाम किया। जौनसार की बेटी की इस उपलब्धि पर पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है। जसपाल राणा शूटिंग रेंज पौंधा मझोंन में चल रही उत्तराखंड राज्य निशानेबाजी प्रतियोगिता में 25 मीटर सेंटर फायर पिस्टल महिला वर्ग में आकांक्षा ने प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। इससे पूर्व 2021 में भी उन्होंने प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया था। आकांक्षा की इस उपलब्धि पर बुरास्वा गांव सहित पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है। निशानेबाज बेटी के पिता अजब सिंह रावत सेवानिवृत्त आईआरएस आधिकारी हैं, जबकि माता सुशीला रावत ग्राम प्रधान हैं। जौनसार की बेटी की इस उपलब्धि पर चकराता विधायक प्रीतम सिंह, विकासनगर विधायक मुन्ना चौहान, जिला पंचायत अध्यक्ष मधु चौहान, ब्लॉक प्रमुख निधि राणा समेत अनेक जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने खुशी जाहिर करते हुए इसे पूरे जौनसार बावर की उपलब्धि करार दिया।

उत्तराखंड : महिलाएं भी कर रही है नशे की तस्करी, चरस के साथ एक गिरफ्तार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 05 अगस्त : कहते हैं महिलाओं को पुरुषों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना चाहिए, और वे चल रही हैं। मगर यह बात गांजे तस्करी में लागू नहीं होती। लेकिन, महिलाओं ने यह ठान लिया है कि इसमें भी पुरुषों को पछाड़ के ही दम लेंगे। तस्करी में अब तक केवल पुरुष आगे थे मगर महिलाएं क्यों इस महान काम में पीछे रहें। वे भी पुरुषों के साथ चरस तस्करी कर रहे हैं। कई कई जगह तो वे पुरुषों से आगे हैं। हाल ही में कोतवाली की पुलिस ने कुंजा ग्रांट से एक महिला को चरस तस्करी में गिरफ्तार किया है, जिसके पास से 120 ग्राम चरस बरामद की गई।

पुलिस ने महिला के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत किया। आप यह जानकर आश्चर्यचकित रह जाएंगे कि कुंजा ग्रांट गांव से पुलिस अब तक नौ महिलाओं को एनडीपीएस एक्ट में जेल भेज चुकी है। बीते दिन प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार ने मादक पदार्थों की बिक्री पर अंकुश लगाए जाने व तस्करी करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई को पुलिस टीमें बनाकर क्षेत्र में चेकिंग कराई। कुंजा ग्रांट में भी चेकिंग की गई। चेकिंग के दौरान एक महिला संदिग्ध लगी तो महिला सिपाही से उसकी तलाशी कराई गई। महिला के पास से 120 ग्राम चरस बरामद की गई। पुलिस पूछताछ में महिला ने अपनी पहचान वसीमा निवासी कुंजा ग्रांट के रूप में बताई। पुलिस ने महिला को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार किया।

यह आंकड़े चौंकाने वाले हैं कि विकासनगर कोतवाली का कुंजाग्रांट एक ऐसा गांव है, जहां पर तस्करी में जुड़ी महिलाओं की तादाद पुरुषों से अधिक है।इस साल नौ महिलाओं समेत 19 आरोपी मादक पदार्थों की तस्करी में पकड़े जा चुके हैं। पुलिस की लगातार कार्रवाई के बाद भी कुंजाग्रांट में मादक पदार्थों की बिक्री पर पूरी तरह से अंकुश नहीं लग पा रहा है। पुरुष आरोपियों से 906 ग्राम चरस, 10 किलो डोडा पोस्त व 22 ग्राम स्मैक पकड़ी जा चुकी है, जबकि चरस तस्करी में महिला आरोपियों के पास से 1611 ग्राम चरस, 6.05 ग्राम स्मैक बरामद की जा चुकी है। इससे यह तो साफ है कि चरस तस्करी में महिलाएं पुरुषों से ज्यादा सक्रिय हैं जो कि एक अच्छा संकेत नहीं है।

केदारनाथ के गौरीकुण्ड में तबाही, रेस्क्यू में जुटे प्रभारी मंत्री सौरभ बहुगुणा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 5 अगस्त , श्री केदारनाथ धाम यात्रा के मुख्य पड़ाव गौरीकुंड में डाट पुलिया के समीप गत देर रात्रि करीब 11 बजकर 30 मिनट पर भूस्खलन होने के कारण 5 दुकाने और एक खोखा बह गया है। जिसमें 20 से अधिक लोगों के लापता होने की संभावनाएं हैं हांलाकि आपदा प्रबंधन की ओर से लापता 12 लोगों के नाम की सूची जारी कर दी है जिसमें स्थानीय समेत नेपाल के रहने वाले लोग अधिक हैं। वही प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और प्रभारी सौरभ बहुगुणा ने इस दुखद खबर के मिलते ही देर रात से राहत और बचाव के लिए अफसरों को निर्देश देते हुए जल्द से जल्द रेस्क्यू करने के आदेश दिए हैं।

एनडीआरफ एसडीआरएफ मौके पर , सेक्टर अधिकारी गौरीकुंड द्वारा बताया गया कि उनमें कुछ आदमियों की होने की सूचना है, खबर मिलते ही प्रभारी मंत्री सौरभ बहुगुणा ने आपदा प्रबंधन अधिकारी व डीडीआरएफ टीम मुख्यालय को घटनास्थल पर देर रात ही पहुँचने के आदेश दिए थे हांलाकि भारी बारिश एवं ऊपर से बोल्डर गिरने के कारण सर्च & रेस्क्यू कार्य रात्रि को रोक दिया गया था। लेकिन सुबह होने पर सर्च अभियान शुरू कर दिया गया है। सौरभ बहुगुणा ने रेस्क्यू में कोई कसर ना छोड़ने के निर्देश भी दिए। सौरभ बहुगुणा लगातार अधिकारियों के संपर्क में हैं राहत बचाव के काम से जुड़ी हर जानकारी का अपडेट ले रहे हैं। हांलाकि सौरभ बहुगुणा ने प्रभावितों से धैर्य बनाये रखने की अपील की है। मंत्री सौरभ बहुगुणा ने कहा कि मलबे में दबे लोगों को जल्द से जल्द रेस्क्यू किया जाए इसके लिए पूरी ताकत से प्रशासन काम कर रहा है।

प्रभारी मंत्री सौरभ बहुगुणा ने बताया गौरीकुंड से करीब 200 मीटर की दूरी पर भारी बारिश के चलते बीती रात हुए भूस्खलन के कारण कई लोगों के लापता होने की सूचना प्राप्त हुई। लेकिन राहत बचाव के कार्य निरंतर रूप से किए जा रहे हैं। अधिकारी अपने पूरे दमखम के साथ धरातल पर डटे हुए हैं और सरकार के संपर्क में हैं। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की इस मामले पर पैनी नज़र है। लोगों को सकुशल तलाशना और उन्हें बचाना, इस समय हमारी सबसे पहली प्राथमिकता है।

पढ़िए ये हैं लापता लोगों की सूची

, आशु उम्र 23 साल निवासी जनई ।2, प्रियांशु चमोला S/O कमलेश चमोला 18 साल निवासी तिलवाड़ा ।3, रणबीर सिंह 28 साल निवासी बस्टी ।4, अमर बोहरा S/O मान बहादुर बोहरा निवासी नेपाल ।5, अनिता बोहरा W/O अमर बोहरा 26 साल निवासी नेपाल ।6, राधिका बोहरा D/O अमर बोहरा 14 साल निवासी नेपाल ।7, पिंकी बोहरा D/O अमर बोहरा 8 साल निवासी नेपाल ।8, पृथ्वी बोहरा S/O अमर बोहरा 7 साल निवासी नेपाल ।9, जटिल S/O अमर बोहरा 6 साल निवासी नेपाल ।10, वकील S/O अमर बोहरा 3 साल निवासी नेपाल ।11, विनोद S/O बदन सिंह 26 साल निवासी खानवा भरतपुर ।12, मुलायम S/O जसवंत सिंह 25 साल निवासी नगला बंजारा सहारनपुर।

12 लाख रुपये किलो बिकता है इस गुलाब का तेल, जानें क्यों है इतना महंगा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

साभार - सो.मी.

ब्यूरो रिपोर्ट 05 अगस्त : यूं तो गुलाबकी खेती पूरे भारत में की जाती है. इससे इत्र, खुशबूदार तेल और ब्यूटी प्रोडक्ट्स बनाएजाते हैं. लेकिन दमस्क रोज की बात ही अलग है. यह गुलाब की बहुत ही बेहतरीन किस्म है.इसकी कीमत भी सामान्य गुलाब के मुकाबले अधिक होती है. ऐसे कहा जाता है कि दमश्क गुलाबका मूल स्थान सीरिया है, लेकिन अब इसकी खेती कई देशों में हो रही है. हिमाचल प्रदेशमें किसानों को इसकी खेती करने के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है. दमस्क रोज से इत्रऔर परफ्यूम बनाया जाता है. इसके अलावा इसका उपयोग पान मसाले में तेल और रोज वाटर केतौर भी किया जाता है.

एक मीडियारिपोर्ट के मुताबिक, गुणवत्ता और क्वालिटी की वजह से दमस्क गुलाब की डिमांड भारत मेंभी बढ़ती जा रही है. इसका तेल 10 से 12 लाख रुपये किलो बिकता है. अगर भारत के किसानदमस्क गुलाब की खेती करते हैं, तो उनकी किस्मत बदल सकती है. खास बात यह है कि इंस्टी-ट्यूटऑफ हिमालयन बायोरिसोर्स टेक्नोलॉजी (IHBT), पालमपुर, हिमाचल प्रदेश लगातार दमस्क रोजके ऊपर रिसर्च कर रहा है, ताकि किसान भाई इसकी खेती से अच्छी कमाई कर सकें.

इत्र और परफ्यूमतैयार करने में इसकी कुछ बूंदों की जरूरत पड़ती हैमार्केट मेंदमस्क रोज की कीमत डिमांड के अनुसार ऊपर- नीचे होती रहती है. लेकिन इसका रेट हमेशा10 से 12 लाख रुपये के बीच ही होता है. इसका तेल इसलिए इतना महंगा बिकता है, क्योंकिएक किलो तेल निकालने के लिए साढ़े तीन टम दमस्क रोज की प्रोसेसिंग करनी पड़ती है. ऐसेभी दमस्क रोज की पैदावार बहुत कम है. यही वजह है कि इसका तेल इतना महंगा बिकता है.हालांकि, तेल निकालने के दौरान रोज वाटर भी निकलता है, जो सामान्य रोज वाटर के मुकाबलेकाफी तेज होता है. इत्र और परफ्यूम तैयार करने के लिए इसकी कुछ बूंदें ही काफी हैं.

फूलों के तेल में 100 से 150 के बीच कंपाउंड पाए जाते हैं

आईएचबीटीके इंजीनियर मोहित शर्मा का कहना है कि फूलों से निकाले गए तेल या या इसके रस से बनाएगए इत्र को कांच की बोतल में नहीं रखा जाता है. इसे एल्यु-मीनियम की बोतल में ही रखनाहोता है. मोहित शर्मा की माने तो फूलों के तेल में 100 से 150 के बीच कंपाउंड पाए जातेहैं. इनमें से 15- 16 कंपाउंड ही ऐसे होते हैं, जो तेल के रूप में होते हैं. कांच कीबोतल में फूलों का तेल रखने पर उसके ऊपर सूर्य की रोशनी पड़ेगी. ऐसे में कंपाउंड खराबहो जाएंगे, जिससे तेल की क्वालिटी बेकार हो जाएगी.

केदारनाथ में कितनी देर बाधित रही बिजली बताए यूपीसीएल

देहरादून। केदारनाथ पुनर्निर्माण कार्यों के लिए ऊर्जा निगम को नियमित रूप से पूरे समय बिजली उपलब्ध करानी होगी। बिजली बाधित होने से केदारनाथ में कितनी देर काम बाधित रहा, इसकी नियमित रूप से मुख्य सचिव ऑफिस को रिपोर्ट भेजनी होगी। यूपीसीएल को बताना होगा कि कितनी देर बिजली आपूर्ति बाधित रही।

सचिवालय में समीक्षा बैठक के दौरान मुख्य सचिव डॉ एसएस संधु ने केदारनाथ पुनर्निर्माण कार्यों को यूपीसीएल को निर्बाध एवं स्थिर बिजली उपलब्धता सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। अधिकारियों को बताना होगा कि पावर कट से कितनी देर काम बाधित रहा, इसकी भी नियमित रिपोर्ट भेजनी होगी। सितम्बर से बिजली पोल और अन्य उपकरणों को भी स्थापित किया जाए।

मुख्य सचिव ने केदारनाथ पुनर्निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित किए जाने को एक सिस्टम तैयार किए जाने के निर्देश दिए। कहा कि केदारनाथ के विपरीत कठोर वातावरण के अनुरूप आवरण सामग्री का उपयोग हो। इसके लिए श्रेष्ठतम तकनीक, विशेषज्ञों एवं सामग्री का उपयोग किया जाए। सेंट्रल स्ट्रीट के कार्यों में तेजी लाने को सभी भवनों की डीपीआर अगले एक सप्ताह में तैयार किए जाने के निर्देश दिए। डीएम रूद्रप्रयाग को सभी साइट्स को जल्द से जल्द ठेकेदारों को उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने आवश्यक निर्माण सामग्री की कमी पर नाराजगी जताई। कहा कि सभी कार्यों को निर्धारित समय से पूरा करने को जरूरी निर्माण सामग्री उपलब्ध कराई जाए। उचित संख्या में कुशल श्रमिकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। निर्माण सामग्री की कमी होते ही तत्काल उच्च स्तर पर सूचना दी जाए। ताकि निर्माण सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। कार्यों में ढिलाई बरत रहे ठेकेदारों पर भी कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर सचिव डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, एसीईओ यूटीडीबी युगल किशोर पंत, अपर सचिव विनीत कुमार आदि मौजूद रहे।

हाथियों ने तोड़ी तीन घरों की चाहरदीवारी

ऋषिकेश। ग्राम सभा खदरी में हाथियों के आतंक से ग्रामीण दहशत में हैं। हाथियों ने तीन ग्रामीणों के घरों की चाहरदीवारी को क्षतिग्रस्त कर दिया। यही नहीं हाथी आए दिन किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। ग्राम सभा खदरी खडक़ माफ में जंगली हाथी सहित वन्यजीवों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। यहां बीते कई महीने से हाथी शाम ढलते ही गांव में प्रवेश करते हैं। इसके अलावा भी कई वन्य जीव क्षेत्र में दस्तक दे रहे हैं जो बीते एक सप्ताह में एक दर्जन से अधिक लोगों की धान, मक्का, चरी चारा सहित आम के बाग को क्षतिग्रस्त कर चुके हैं। क्षेत्रीय निवासी विनोद जुगलान ने कहा कि खदरी को सांसद आदर्श ग्राम घोषित तो कर दिया गया है, लेकिन आदर्श बनाने के लिए अधिकारियों का सहयोग अपेक्षित है। यहां क्षेत्रवासी वन्य जीवों के आतंक से परेशान हैं, लेकिन शिकायत के बावजूद वन विभाग के अधिकारी इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। कहा कि बीते रोज हाथी ने देवी प्रसाद भट्ट, मायाराम रयाल व राजाराम कुलियाल की घर की चाहरदीवारी तोड़ दी है। वहीं सुरेंद्र कठैत, अभिषेक कठैत, आनंद प्रकाश आदि की धान की फसल बर्बाद कर दी। डॉ. कर्ण सिंह राणा के आम के बगीचे को जंगली हाथी ने क्षतिग्रस्त कर दिया है। ग्रामीणों ने सुरक्षा दीवार बनाने व मुआवजा देने की मांग की। वन क्षेत्राधिकारी देवेंद्र सिंह पुण्डीर का कहना है कि वन्यजीवों से सुरक्षा को सुरक्षा दीवार बनाने, सौर ऊर्जा बाड़ लगाने का प्रस्ताव आया है। जिस पर प्रक्रिया गतिमान है शीघ्र ही गांव की सीमा पर वन्यजीवों से सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए जाएंगे। सुरक्षा के दृष्टिगत रात्रि गश्त बढ़ा दी गई है। अनुभाग अधिकारी को मौका मुआयना के निर्देश दिए गए हैं। प्रभावित व्यक्ति मुआवजे के लिए सम्बन्धित प्रपत्रों के साथ आवेदन कर सकते हैं। जिन पर नियमानुसार विचार किया जाएगा।

ऋषिकेश में टमाटर 240रुपये प्रति किलो बिका

ऋषिकेश। टमाटर के दाम एक बार फिर बढ़ गए हैं। ऋषिकेश के छोटी मंडी और ठेलियों पर शुक्रवार को टमाटर 240 रुपये प्रति किलो तक बिका। टमाटर के दाम बढने से गृहणियों का बजट गड़बड़ा गया है। पिछले कुछ दिनों से टमाटर के दामों में लगातार इजाफा हो रहा है। सब्जी कारोबारियों का कहना है कि जल्द ही टमाटर के भाव बड़ी तेजी से कम होने लगेंगे। शुक्रवार को ऋषिकेश के छोटी मंडी में टमाटर के दाम आसमान छू रहे थे। हर कोई टमाटर के दाम बढने से हतप्रभ दिखा। सब्जी खरीदने आए लोग टमाटर का मोलभाव करते दिखे। गंगा नगरी निवासी रेखा अग्रवाल ने कहा कि अब टमाटर खरीदना मुश्किल हो गया है। पहले वे एक साथ दो-दो किलो टमाटर तक खरीदते थे, लेकिन अब पावभर टमाटर से काम चलाना पड़ रहा है। हरिद्वार रोड निवासी ज्योति शर्मा भी टमाटर के दाम बढने से दुखी नजर आईं। तपोवन निवासी नेहा और मायापुर निवासी कांता देवी ने कहा कि सरकार को टमाटर के बढ़ते दामों पर अंकुश लगाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आए दिन सब्जियों के दाम बढ़ते जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सब्जियों के कारोबार करने वाले बड़े-बड़े व्यापारी टमाटर की कालाबाजारी कर रहे हैं। मंडी में 60 रुपये प्रति किलो मिल रहा टमाटरः सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक डिग्री कॉलेज के सामने कृषि मंडी समिति में टमाटर 60 रुपये किलो मिल रहा है।

क्या काला चश्मा पहनने से नहीं फैलता कंजंक्टिवाइटिस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 05 अगस्त : कंजंक्टिवाइटिस के मामले इन दिनों देशभर में तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। इसे आमतौर पर पिंक आई या आई फ्लू के नाम से भी जाना जाता है। आंखों में होने वाला यह संक्रमण हर लगभग हर उम्र के लोगों को अपनी चपेट में ले रहा है। हालांकि, युवाओं में इसके मामले ज्यादा देखने को मिल रहे हैं। कंजंक्टिवाइटिस होने पर आंखों में रेडनेस, जलन, खुजली, डिस्चार्ज जैसी समस्याएं हो सकती हैं।कंजं-क्टिवाइटिस होने पर अक्सर लोगों को गहरे रंग का धूप का चश्मा पहनने की सलाह दी जाती है, लेकिन क्या सच में सिर्फ काला चश्मा कंजंक्टिवाइटिस को रोक सकता है। अगर नहीं, तो कंजंक्टिवाइटिस होने पर काला चश्मा क्यों पहना जाता है। आज इस आर्टिकल में हम आपको इसी सवाल का जवाब देंगे, तो आइए जानते हैं आई फ्लू होने पर काला चश्मा पहनने की वजह-कंजंक्टि-वाइटिस होने पर यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि धूप का चश्मा इस संक्रमण के प्रसार को नहीं रोकता है। जब किसी को कंजंक्टि-वाइटिस होता है, तो उनकी आंखें प्रकाश के

प्रति संवेदनशील हो जाती हैं। ऐसे में धूप का चश्मा पहनने से रोशनी से होने वाली असुविधा को कम करने में मदद मिलती है। हालांकि, संक्रमण अभी भी संक्रमित व्यक्ति के सीधे संपर्क से या उनके संपर्क में आई दूषित वस्तुओं को छूने से फैल सकता है।

कई लोगों का ऐसा मानना है कि कंजंक्टि-वाइटिस होने पर काला चश्मा इसलिए पहना जाता है, क्योंकि संक्रमित की आंखों में देखने भर से कंजंक्टिवाइटिस हो जाता है। हालांकि, यह एक मिथक है कि सिर्फ किसी को देखने से यह इन्फेक्शन फैल सकता है। संक्रमित व्यक्ति को देखने से कंजंक्टिवा-इटिस नहीं फैलता है। इस दौरान धूप का चश्मा इसलिए भी लगाया जाता है, ताकि लगातार आंखों को रगड़ने की संभावना को कम किया जा सके, जो संभावित रूप से संक्रमण फैला सकता है।

इन सबके अलावा काला चश्मा धूल के कणों, प्रदूषकों और आंखों में प्रवेश करने वाले अन्य परेशानियों से भी सुरक्षा प्रदान करता है। हालांकि, इन सबके बाद भी संक्रमण को और अधिक फैलने से रोकने के लिए सावधानी बरतना और उचित स्वच्छता बनाए रखना महत्वपूर्ण है। कंजंक्टिवाइटिस बेहद संक्रामक है जैसे तौलिये, व्यक्तिगत सामान और यहां तक कि संक्रमित व्यक्ति द्वारा पहने गए चश्मे के माध्यम से भी फैल सकता है।

संक्रमण तब फैलता है जब कोई इन दूषित वस्तुओं को छूता है या किसी संक्रमित व्यक्ति के सीधे संपर्क में आता है। कंजंक्टि-वाइटिस को रोकने के लिए इन सेफ्टी टिप्स हाथों को साफ रखें और इन्हें बार-बार साबुन और पानी से धोते रहे।अपनी आंखों को धूल के कणों और प्रदूषकों से बचाने के लिए भीड़-भाड़ वाली जगहों पर धूप का चश्मा पहनें। संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए संक्रमित व्यक्ति की चीजों को सही तरीके से डिस्पोज करें। संक्रमण के जोखिम को कम करने के लिए सार्वजनिक सतहों को छूने से बचें।

उत्तराखंड : सरकार ने आई फ्लू को लेकर जारी की गाइडलाइन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 05 अगस्त : उत्तराखंड में कंजंक्टिवाइटिस यानी आई फ्लू के तेजी से बढ़ रहे मामलों को देखते हुए सरकार ने गाइडलाइन जारी की है। बीते दिन स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर राजेश कुमार ने सभी मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश जारी किए हैं।राज्य के सभी जिला अस्तपालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों के साथ ही प्राइवेट अस्पतालों में रोजाना आई फ्लू के मरीज पहुंच रहे हैं। आई फ्लू के मरीजों की संख्या में इजाफा होते देख अस्पताल प्रबंधन भी लगातार लोगों से आइसोलेट होने को कह रहा है। स्वास्थ्य सचिव की ओर से जारी निर्देशों में कहा गया है कि अगर आपको अपनी आंखों में फ्लू के लक्षण दिखाई दें तो देरी न करें तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। खुद से ही किसी भी दवाई या आई ड्रॉप का इस्तेमाल न करें, इससे जोखिम बढ़ सकता है।

आई फ्लू कैसे फैलता है

आई फ्लू किसी संक्रमित व्यक्ति की आंखों के तरल पदार्थ के संपर्क में आने से फैलता है और काफी संक्रमण हो सकता है।आई फ्लू के लक्षणआंखों में लाली

आना।लगातार खुजली जलन होना, धुंधली दृष्टि व नम आंखें होना।प्रकाश के प्रति संवे-दनशीलता, सूजी हुई पलकें।पलकों का पपड़ीदार होना और देखने में परेशानी होना।संक्रमण को फैलने से कैसे रोकेंआई फ्लू फैलने से रोकने के लिए साफ-सफाई रखना सबसे जरूरी है।अपनी आंखों को अपने हाथ से न छुएं।जब भी जरूरी हो अपने हाथों को धोएं।अपनी निजी चीजों जैसे तौलिया, तकिया, आई कॉस्मेटिक (आंखों के मेकअप) आदि को किसी से साझा न करें।अपने रूमाल, तकिये के कवर, तौलिये आदि चीजों को रोज धोएं। विशेषज्ञ से संपर्क करके इलाज करायें। घर से बाहर या धूल में निकलने से पहले चश्मा पहनना।अपने तकिए के कवर को बार-बार बदलें।क्या ना करेंखुद से ही या ओवर द काउंटर दवाओं या आई ड्रॉप का इस्तेमाल न करें।आंखें ठीक होने तक आपको कॉन्टेक्ट लेंस पहनने से बचना चाहिए।

क्रोनिक पेन से उबरने के लिए आजमाएं ये उपाय

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 05 अगस्त : क्रोनिक पेन मतलब शरीर के किसी भी अंग में उठने वाला ऐसा दर्द, जो कभी एकदम से बहुत ज्यादा हो जाता है तो कभी हल्का-हल्का होता ही रहता है। ऐसा दर्द किसी चोट, सर्जरी, सूजन या फिर किसी एक्सीडेंट की वजह से पैदा हो सकता है। जो समय और उम्र बढ़ने पर बढ़ता और घटता रहता है। इस दर्द के बढ़ने की मुख्य वजह है, इसे इग्नोर करते रहना। पुराने दर्द का अगर समय रहते इलाज न करवाया जाए, तो ये उम्र के साथ और गंभीर होने लगता है। साथ ही ये नॉर्मल दर्द की तुलना में लंबे वक्त तक बना रहता है। क्रोनिक पेन एक प्रकार का पुराना दर्द होता है, जो मसल्स में उठता है और फिर

कंधों, पीठ, कमर और शरीर के दूसरे भागों में भी पहुंचता है। क्रॉनिक पेन से नींद न आने की प्रॉब्लम और थकान भी बनी रहती है।1. खानपान का रखें ख्यालक्रोनिक पेन से निपटने के लिए खानपान पर भी ध्यान देना बेहद जरूरी है। मील में नॉन स्टार्च सब्जियों के साथ-साथ कैल्शियम और विटामिन डी से भरपूर फूड आइटम्स की मात्रा बढ़ाएं। 2. योग भी होता है असरदारडॉक्टर से सलाह लेने के बाद नियमित रूप से योग और एक्सरसाइज करने से भी ऐसे दर्द में आराम मिलता है। इससे बॉडी स्ट्रांग होती है। कंधे, कमर के अलावा मांसपेशियों में होने वाले दर्द से निपटने में भी योगासन हो सकता है मददगार।3. मसाज करें ट्राईसरसों, ऑलिव और नारियल तेल से मालिश करना भी काफी हद तक क्रोनिक पेन से राहत दिला सकता है। इससे ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और मसल्स को मज़बूती मिलती है।

संक्षिप्त खबरें

भारी बारिश और भूस्खलन से जौनसार-बावर के 22 मोटर मार्ग बंद

विकासनगर। जौनसार-बावर के मार्गों को खुले अभी चौबीस घंटे भी पूरे नहीं हुए कि फिर से भारी बारिश और भूस्खलन से मार्गों पर आये मलबे के कारण 22 मोटर मार्ग फिर से बंद हो गए। जिससे क्षेत्र के लोगों की दुस्वारियां कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। किसान अपने खेतों की नगदी फसलों को बाजार तक नहीं पहुंचा पा रहे हैं। जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। बारिश के कारण जौनसार-बावर क्षेत्र के 22 मोटर मार्गों पर यातायात बंद हो गया है। पहाडियों पर हो रहे भारी भूस्खलन के कारण मलबा सडक़ों पर आने व सुरक्षा दीवारों के टूट जाने के कारण मोटर मार्ग बंद हो गये है। जिससे क्षेत्र की चालीस से अधिक गांव यातायात सेवाओं से पूरी तरह से कट गये हैं। बंद पड़े मोटर मार्गों में हरिपुर इच्छाडी क्वानू मीनस मोटर मार्ग, कालसी चकराता स्टेट हाईवे, मनीस अटाल, साहिया क्वानू, माखटी पोखरी, रायगी कुलहा, डांगूठा कथियान, रडू मुंधोल, अणु चिल्हाड, डुंगियारा, मरलऊ बडोडा, टुंगरा, रोहट खड्ड अटाल, ड्यूदिलानी थलीन सकरौल, दादुवा कितरौली, लुहान बैंड, कोठा सैंज, खारसी बनियाना, गडूल सकरौल, ध्वेरा देऊ, जखथान आदि मोटर मार्ग बंद रहे। हालांकि कालसी चकराता मोटर मार्ग को सुबह ही वाहनों के लिए खोल दिया गया। लेकिन अन्य मोटर मार्ग दोपहर तक भी नहीं खुल पाये। एसडीएम कालसी युक्ता मिश्र का कहना है कि लोनिवि, पीएमजीएसवाई को तत्काल मार्गों को खोलने के लिए निर्देश दिए गये हैं। जिसके चलते सभी मार्गों को खोलने के लिए जेसीबी लगाई गयी है। कोठा पंजीया मोटर मार्ग 20 दिनों से बंद पड़ा है। स्थानीय लोगों श्याम सिंह चौहान, सूरतसिंह, टीकाराम, मस्तूदास, श्यामचंद, रघुवीरसिंह, चंद्रसिंह आदि का कहना है कि कई बार लोनिवि पीएमजीएसवाई के अधिकारियों से मार्ग खोलने के लिए आग्रह किया गया।

फर्जी सहायक लेखपाल मामले में तहसील प्रशासन ने दी तहरीर

विकासनगर। तहसील क्षेत्र अंतर्गत सहायक लेखपाल के फर्जी पदनाम से जमीन संबंधी विवादों को निपटाने और प्रमाण पत्रों के लिए संस्तुति करने के मामले में तहसील प्रशासन ने सख्त रुख अपना दिया है। शुक्रवार को तहसील प्रशासन की ओर से सेलाकुई थाने में तहरीर दी गई है। एसडीएम ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि थाना पुलिस को जांच कर जल्द मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिए गए हैं। तहसील क्षेत्र के अंतर्गत लेखपालों के साथ सहायक के तौर पर पीआरडी जवानों की तैनाती की गई है। राजस्व क्षेत्रों में पीआरडी जवानों की ओर से खुद को स्वयंभू सहायक लेखपाल बताने के मामले प्रकाश में आए। समाचार प्रकाशित होने के बाद हरकत में आए तहसील प्रशासन ने ऐसे मामलों की पड़ताल शुरू की। कुछ मामलों में पीआरडी जवान सहायक लेखपाल पदनाम से कार्रवाई की संस्तुति समेत जांच रिपोर्ट अधिकारियों की मेज तक भी पहुंची। इससे तहसील प्रशासन में हडक़ंप मच गया। अब तहसील प्रशासन की ओर से भाऊवाला के लेखपाल यशवीर राठौर की ओर से सेलाकुई थाने में तहरीर दर्ज की गई। एसडीएम विनोद कुमार ने बताया कि थाना पुलिस को दोषी के खिलाफ जल्द कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। उधर सेलाकुई थानाध्यक्ष मोहन सिंह ने बताया कि लेखपाल की ओर से तहरीर दी गई है, जिस पर जांच शुरू कर दी गई।

भाऊवाला और बड़ोवाला में जल जीवन मिशन के कार्यों की धीमी गति पर विधायक नाराज

विकासनगर। सहसपुर ब्लॉक के भाऊवाला और बड़ोवाला में पेयजल आपूर्ति, मार्ग निर्माण संबंधित समस्याओं के निस्तारण के लिए विधायक सहदेव पुंडीर ने सुद्धोवाला स्थित कैंप कार्यालय में संबंधित अधिकारियों की बैठक ली। बैठक के दौरान ग्राम पंचायत भाऊवाला और बड़ोवाला के जनप्रतिनिधियों ने बताया कि गांव में जल जीवन मिशन के तहत पेयजल लाइन बिछाने का कार्य काफी धीमी गति से चल रहा है। कुछ क्षेत्रों में अभी तक पेयजल लाइन नहीं डाली गई हैं। इसके साथ ही गांव में पेयजल आपूर्ति सुचारु रूप से नहीं होती है, जिससे ग्रामीणों के सामने लंबे समय से पेयजल किल्लत बनी हुई है। विधायक ने अधिकारियों की लापरवाह कार्यप्रणाली पर नाराजगी जाहिर करते हुए क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति सुचारु करने के साथ ही 15 दिनों में जल जीवन मिशन से वंचित क्षेत्रों में पेयजल लाइन बिछाने के निर्देश दिए। विधायक ने कहा मौसम के साफ होते ही काम को अंजाम दे। पेयजल लाइन डालने के बाद गड्ढों को तत्काल भरा जाना चाहिए, जिससे बरसात का पानी गड्ढों में न भरे। कहा कि पेयजल की कमी वाले क्षेत्रों में टैंकरों के माध्यम से पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करें।

इस लड़की ने कबाड़ में सज़ा दी महफिल ऑन व्हील्स

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 5 अगस्त , बिहार के अररिया की रहने वाली रक्षा झा ने पुलिस स्टेशन के बगल में खड़ी एक कबाड़ बस को देखा तो उन्हें यह आइडिया आया कि इस बस को डबल डेकर रेस्टोरेंट्स बनाया जा सकता है. लेकिन रक्षा झा ने इस बस को लेकर डबल डेकर बस बनाया और उसे महफिल ऑन व्हील्स का नाम दे दिया. रक्षा झा ने पिछले कुछ दिनों में पटना में डबल डेकर बस पर महफिल जैसा माहौल बना कर खूब सुर्खियां बटोरी हैं. डबल डेकर बस पर बने महफिल ऑन व्हील्स रेस्तरां को एमडब्ल्यू बिस्त्रो नाम दिया गया है. एमडब्ल्यू का मतलब महफिल ऑन व्हील्स है. हालांकि इसके साथ ही इसका एक मतलब और है मिथिला विमेन. बिहार की राजधानी पटना में यह रेस्टोरेंट पाटलिपुत्र कॉलोनी में पीएनएम मॉल के पास लोयला स्कूल के ठीक सामने वाली गली में मौजूद है.

MW Bistro की शुरुआत

रक्षा झा अपने शौक को एमडब्ल्यू बिस्ट्रो का रूप देकर पटना के लोगों में चर्चा का विषय बन गई हैं. रक्षा झा के महफिल ऑन व्हील्स को डबल डेकर बस की तरह तैयार किया गया है. अगर आप भी जाना चाहते हैं तो जान लीजिये की इस बस के पहले फ्लोर पर कुल 7 लोगों के बैठने की व्यवस्था है. बाहर से बस जैसा दिखने वाला यह रेस्टोरेंट्स अंदर से किसी मॉडर्न रेस्टोरेंट्स की तरह दिखता है.

शानदार है माहौल

शानदार सजावट, रोशनी और कई जगह से जुटाए गए क्राफ्ट को लगाकर MW Bistro में खाना खाने के लिए आने वाले लोगों के लिए शानदार माहौल बनाया गया है. बस के दूसरे फ्लोर पर महफिल सजाई गई है. लेकिन यहां जमीन पर गद्दे, कुशन और मसनद के बीच कम हाइट के टेबल लगाए गए हैं. छत को रंगीन रोशनी और आर्टिफिशियल फूलों से सजाया गया है. अगर आप यहां जमीन पर बैठकर परिवार के साथ खाने का आनंद उठाना चाहे तो वो भी मौजूद है।

साभार - सो.मी

खुले आसमां के नीचे भी

इसके साथ ही MW Bistro मे एक पेड़ के नीचे सोफा लगाकर खाने की जगह तैयार की गई है जो खुले आसमान के नीचे है. झोपड़ी, लद्दाख, हिमाचल वाला लुक भी रेस्टोरेंट के एक हिस्से को दिया गया है लेकिन जहां जाड़े के दिनों में बोन फायर लगाकर लोगों को खाने का आनंद दिया जाता है. रक्षा ने बताया कि लोगों को उनका यूनिक कॉन्सेप्ट पसंद आ रहा

लंबी उम्र चाहते हैं तो रूटीन में शामिल करें ये हेल्दी आदतें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 05 अगस्त : पौष्टक आहार खाने और नियमित व्यायाम करने से आप बीमारियों से दूर रहते हैं. अगर आप बीमार कम पड़ते हैं तो शरीर के अंग लंबे समय तक मजबूत बने रहते हैं जिसका सकारात्मक असर आपकी उम्र पर पड़ता है. आप लंबे समय तक जीवित रह सकते हैं. इस आर्टिकल में हम आपको लंबी उम्र के लिए किन हेल्दी हैबिट्स को अपनी रूटीन में शामिल करना है उसके बारे में बताएंगे. वहीं, रोज आप एक्सरसाइज करें. इससे आपकी फिजिकल और मेंटल स्ट्रेंथ बूस्ट होती है. इसके अलावा आप बहुत ज्यादा शराब का सेवन ना करें. यह भी आपके उम्र कम करने के लिए जिम्मेदार हो सकते है. इसके अलावा आप रोज 8 घंटे की नींद लीजिए. यह आपके संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए अच्छा माना जाता है. लंबी उम्र के लिए आप जीवन में तनाव लेना कम कर दीजिए, आप लंबी उम्र चाहती हैं तो फिर ड्रग्स आदि का सेवन ना करें. बहुत से लोग डॉक्टर के पास तभी जाते हैं जब वे बीमार होते हैं जबकि आपको साल में एकबार हेल्थ चेकअप जरूर कराना चाहिए. आप जो खाते हैं उसका प्रभाव इस बात पर पड़ सकता है कि आप कितने समय तक जीवित रहेंगे. एक स्वस्थ आहार हृदय रोग, मधुमेह, मोटापा, उच्च रक्तचाप और अन्य पुरानी बीमारियों से बचाने में मदद कर सकता है.

संपादकीय

ज्ञानवापी का सच

ज्ञानवापी परिसर का सर्वे आरंभ हो चुका है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा सर्वे को 'न्यायहित' में अनिवार्य माना है। सर्वे वैज्ञानिक होगा और किसी भी तरह की खुदाई नहीं की जाएगी। 'ग्राउंड पेनिट्रेटिंग रडार' (जीपीआर) तकनीक का इस्तेमाल कर सर्वे किया जाएगा। फोटोग्राफी का भी इस्तेमाल किया जाएगा। सर्वोच्च अदालत की संविधान पीठ ने भी अयोध्या विवाद का फैसला एएसआई के सर्वे और खुदाई के आधार पर दिया था। एएसआई भारत सरकार की संस्था है और इसके पुरातात्विक निष्कर्षों को अधिकृत और विज्ञान-सम्मत माना जाता रहा है। इलाहाबाद अदालत ने मस्जिद कमेटी की दलीलों को खारिज कर दिया कि सर्वे से मस्जिद को नुकसान पहुंच सकता है। इन दावों को बेदम करार दिया गया। 'अंजुमन इंतेजामिया कमेटी' ने उच्च न्यायालय के फैसले को सर्वोच्च अदालत में चुनौती दी है। प्रधान न्यायाधीश जस्टिस चंद्रचूड़ ने इसकी तुरंत सुनवाई को मंजूरी भी दी है, लेकिन सर्वे जारी रहेगा। फिलहाल ज्ञानवापी की इमारत को मस्जिद तो नहीं कहा जा सकता। मंदिर का अंतिम फैसला सर्वोच्च अदालत करेगी। हम इस विवाद को अदालत के भरोसे छोड़ते हैं, लेकिन ऐसे अनेक ऐतिहासिक साक्ष्य हैं, जो ज्ञानवापी को मंदिर साबित करते हैं। ये साक्ष्य कई पुस्तकों में संकलित किए गए हैं। यह बादशाह औरंगजेब की हुकूमत के दस्तावेजों से भी स्पष्ट है कि 1669 में मंदिर को तोड़ कर मस्जिद का निर्माण कराया गया था। चूंकि कथित मस्जिद समतल जमीन पर नहीं बनी है। जमीन किसी शख्स या संस्था ने दान भी नहीं की है। जमीन को खरीदा भी नहीं गया है, लिहाजा इतिहासकार इस्लाम के मुताबिक इसे 'हराम' मानते हैं। हम ऐसी दलीलों को भी इतिहास मान कर छोड़ देते हैं। इस संदर्भ में वाराणसी की जिला अदालत ने दो कोर्ट कमिश्नरों की अध्यक्षता में ज्ञानवापी परिसर का सर्वे कराया था। 14 मई, 2022 को जिन वकीलों ने सर्वे में भूमिका अदा की थी, उनके मुताबिक ज्ञानवापी के भीतर पान के पत्ते के आकार की फूल की आकृतियां, त्रिशूल, स्वास्तिक, दीवार पर अंकित श्लोक और 4 तहखाने भी हैं। काफी संख्या में कमल के फूल की कलाकृति पत्थरों पर खुदी दिखी। एक खंभे पर हिंदी में 7 पंक्तियों में कुछ शब्द उकेरे दिखे। छत वाले तीन गुंबदों के अंदर त्रिशंकु शिखरनुमा आकृतियां दिखीं। भीतरी भाग मंदिर-सा लगता है।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

कमान अधिकारी ने किया थल सेना कैंप लगाने हेतु कालेज का भ्रमण

रुडक़ी। 84 बटालियन के कमान अधिकारी कर्नल रामाकृष्णन रमेश चौधरी भरत सिंह डीएवी इंटर कॉलेज का सेना कैंप लगाने के लिए विजिट किया। कमान अधिकारी कर्नल रामाकृष्णन रमेश चौधरी ने विद्यालय प्रबंधक चौधरी कुलबीर सिंह के सामने कैंप लगाने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने इस पर अपनी सहमति जताई। यह कैंप पूरे राज्य के कैडेटों का होगा। इसमें उत्तराखंड राज्य की ओर से टीम गठित होकर दिल्ली में प्रतिभाग करेगी। कर्नल आर रमेश ने सभी ट्रेनिंग संबंधी वार्ता कॉलेज प्रबंधक चौधरी कुलबीर सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष चौधरी मानवेंद्र सिंह, प्रधानाचार्य ओम सिंह सैनी, एनसीसी अधिकारी कैप्टन सुशील कुमार आर्य, ट्रेनिंग अधीक्षक रवि कपूर, सूबेदार मेजर केदार सिंह रावत, हवलदार सतेंद्र सिंह कैंप लगाने संबंधी बैठक हुई।

विस अध्यक्ष ने किया दीवार का लोकार्पण

कोटद्वार। राज्य योजना के अंतर्गत विधानसभा कोटद्वार के गास्टन गंज स्थित राजकीय उद्यान खाम गार्डन में 55 लाख की लागत से निर्मित चहारदिवारी का गुरुवार को प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूड़ी भूषण ने लोकार्पण किया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि राजकीय उद्यान को जनता से जोड़ा जाना चाहिए इससे लोगों को प्राकृतिक सुंदरता का आनंद मिलेगा और वे अपने आस-पास के पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनेंगे। कहा कि उद्यान विभाग को जनता के बीच जाना चाहिए और जैविक खेती व जैविक खाद के बारे में जनता को जानकारी देनी चाहिए और लोगों को खेती करने के लिए जागरूक करना चाहिए। जैविक खेती के गुण बताते हुए उन्होंने कहा कि इससे उत्पादित खाद्य और फल अधिक स्वादिष्ट और पोषणयुक्त होते हैं। जैविक खेती वातावरण को संरक्षित रखने में मदद करती है। वर्तमान में जलवायु परिवर्तन को देखते हुए जैविक खेती को अपनाने का समय आ गया है।

संक्षिप्त खबरें

चीला के घासीराम स्त्रोत में बही कार, रेस्क्यू कर कार सवारों को बचाया

हरिद्वार। राजा जी टाइगर रिजर्व पार्क की चीला रेंज स्थित घासीराम स्त्रोत रपटे के बहाव में फंसकर गुरुवार रात एक कार बह गयी। इस दौरान कार में दो लोग सवार थे। कार को बहता देख वहां मौजूद चीला रेंज में काम करने वाले पार्क कर्मियों ने किसी तरह दोनों को कार से बाहर निकाल लिया। चीला रेंज के रेंजर शैलेस घिल्डियाल ने बताया कि पार्क कर्मचारियों ने रेस्क्यू कर दोनों को बाहर सुरक्षित निकाल लिया था। जबकि कार रपटे में बह गई थी।

गर्भवती महिलाओं को स्तनपान के लिए जागरूक किया

हरिद्वार। एक से सात अगस्त तक मनाए जाने वाले विश्व स्तनपान दिवस के अवसर पर शुक्रवार को जिला महिला अस्पताल में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला अस्पताल के प्रमुख अधीक्षक डॉ. सीपी त्रिपाठी ने सभी गर्भवती महिलाओं को विश्व स्तनपान दिवस के अवसर स्तनपान संबंधी जानकारी दी। इस इस मौके पर उन्होंने कहा कि इसको मनाने का मकसद महिलाओं को स्तनपान के लिए प्रोत्साहित करना है। साथ ही इससे जच्चा व बच्चा दोनों को होने वाले स्वास्थ्य लाभ के प्रति जागरूक करना है। बताया कि स्तनपान के कई सारे फायदे होते हैं। मां के दूध में बच्चे के लिए सभी जरूरी पोषण तत्व भरपूर मात्रा में मौजूद होते हैं। बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. शशिकांत ने कहा कि मां का दूध छोटे बच्चों के लिए संपूर्ण आहार है, जिसमें बच्चे को सेहतमंद रखने और उनके उचित विकास के लिए सभी पोषक तत्व मौजूद होते हैं। मां का दूध बच्चों को बचपन में होने वाली कई बीमारियों से महफूज रखता है। इस दौरान को सरकारी नर्सिंगं कॉलेज की प्रधानाचार्य सुमनलता पाठक, डॉ. हितेन जंगपांगी, डॉ. यशपाल तोमर के अतिरिक्त स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

प्रतिबंधित मांस तस्करी के आरोप में केस दर्ज

रुडक़ी। प्रतिबंधित मांस की तस्करी की सूचना पर पुलिस ने छापामार कार्रवाई की। मौके से प्रतिबंधित मांस के साथ कटान के उपकरण भी बरामद किए गए। पुलिस ने एक आरोपी के खिलाफ उत्तराखंड गोवंश संरक्षण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू की है। बरामद मांस के नमूने पशु चिकित्सा अधिकारी द्वारा लेने के बाद उसे नष्ट कर दिया गया। गुरुवार देर शाम पुलिस को सूचना मिली कि कोतवाली क्षेत्र के गांव घोसीपुरा में प्रतिबंधित मांस की तस्करी का कार्य किया जा रहा है। इस पर उप निरीक्षक हाकम सिंह ने अपने सहयोगियों के साथ एक स्थान पर छापामार कार्रवाई की। पुलिस को देख आरोपी मौके से फरार हो गया। हालांकि, पुलिस ने मौके से 35 किलो प्रतिबंधित मांस बरामद किया है।

कंडी मोटर मार्ग पर भारी वाहनों की आवाजाही आरंभ

कोटद्वार। कंडी मोटर मार्ग पर पडऩे वाली मालन नदी पर भारी वाहनों की आवाजाही के लिए बनाए गए वैकल्पिक ह्यूमपाइप काजवे का निर्माण कार्य पूरा हो गया है। आज शुक्रवार से इस मार्ग पर भाबर क्षेत्र के लिए भारी वाहनों की आवाजाही आरंभ हो गई है। बतातें चलें कि बीती 13 जुलाई को मालन नदी का पुल टूटने से भाबर क्षेत्र सहित लालढ़ांग तक भारी वाहनों की आवाजाही बंद थी जिस कारण जशोधरपुर व सिगड्डी स्थित उद्योगों को नुकसान झेलना पड़ रहा था। लोनिवि अधिशासी अभियंता डी पी सिंह ने बताया कि आज शुक्रवार से इस मोटर मार्ग पर भारी वाहनों का संचालन आरंभ हो गया है। इससे भाबर क्षेत्र की जनता को राहत मिलेगी।

केन्द्र ने संविधान संशोधन हेतु राज्य सरकारों से पूछी उनकी राय : महाराज

केन्द्र ने संविधान संशोधन हेतु राज्य सरकारों से पूछी उनकी राय : महाराज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 5 अगस्त , जिला पंचायत अध्यक्ष और क्षेत्र पंचायत प्रमुखों के प्रत्यक्ष चुनाव करवाये जाने की प्रदेश के पंचायतीराज मंत्री सतपाल महाराज की कोशिशें अब परवान चढ़ने लगी हैं। पंचायतीराज मंत्रालय, भारत सरकार ने उनके इस प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार करना प्रारम्भ कर दिया है। मंत्रालय ने प्रत्यक्ष चुनाव की दृष्टि से उत्तराखंड सहित देश के सभी राज्यों की सरकारों से संविधान संशोधन हेतु उनकी राय मांगी है।पंचायतों के सशक्तिकरण के लिए प्रदेश के पंचायतीराज मंत्री सतपाल महाराज पंचायत चुनाव में खरीद-फरोख्त और भ्रष्टाचार को रोकने के लिए जिला पंचायत अध्यक्ष और क्षेत्र पंचायत प्रमुख के प्रत्यक्ष चुनाव कराए जाने को लेकर पिछले काफी समय से मुखर हैं। वह लगातार केंद्रीय ग्रामीण निर्माण तथा पंचायतीराज

मंत्री गिरिराज सिंह से मुलाकात कर लिखित एवं मौखिक रूप से इस विषय को उनके सम्मुख रखते रहे हैं।प्रदेश के पंचायती राज मंत्री सतपाल महाराज द्वारा जिला पंचायत अध्यक्ष और क्षेत्र पंचायत प्रमुख के प्रत्यक्ष चुनाव कराए जाने के विषय की गंभीरता को देखते हुए पंचायती राज मंत्रालय भारत सरकार द्वारा ₹भारत का संविधान₹ अनुच्छेद 243 ग(5)(ख) में संशोधन हेतु राज्य सरकार का अभिमत मांगा गया है जिस पर प्रदेश के पंचायती राज मंत्री सतपाल महाराज ने प्रबल संस्तुति के साथ अपना अनुमोदन भी प्रदान कर दिया है।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243 ग के (5)(ख) में संविधानिक व्यवस्था के अनुसार मध्यवर्ती स्थल या जिला स्तर पर इसे पंचायत के अध्यक्ष का निर्वाचन उसके निर्वाचित सदस्यों द्वारा अपने में से किए जाने की व्यवस्था है जबकि भारतीय संविधान अनुच्छेद 243-द मैं नगर पालिकाओं की संरचना के अंतर्गत (2)(ख) में किसी नगर पालिका के अध्यक्ष के निर्वाचन की प्रीति के ऊपर दो हेतु राज्य विधानमंडल दल को शक्ति प्रदान की गई है।पंचायतीराज मंत्री सतपाल महाराज ने जिला पंचायत अध्यक्ष और क्षेत्र पंचायत प्रमुखों के प्रत्यक्ष चुनाव कराए जाने हेतु केंद्र सरकार से अनुरोध करते हुए कहा था कि नगर निकायों के अध्यक्षों के निर्वाचन हेतु भारत के संविधान में उपबंधित व्यवस्था के समान संविधान संशोधन के द्वारा संविधान के अनुच्छेद 243-ग के (5)(ख) मैं प्रावधानित व्यवस्था में संशोधन करते हुए प्रमुख क्षेत्र पंचायत एवं अध्यक्ष जिला पंचायत के पद के निर्वाचन की रीति निर्धारित किए जाने हेतु राज्य विधानमंडल को शक्ति प्रदान कर दी जाए ताकि राज्य सरकारें उपरोक्त पदों पर निर्वाचन की रीति का निर्णय सुविधा अनुसार अपने स्तर से ले सकें। महाराज की लगातार कोशिशों का ही परिणाम है कि आज पंचायती मंत्रालय भारत सरकार ने जिला पंचायत अध्यक्ष और क्षेत्र पंचायत प्रमुखों की प्रत्यक्ष चुनाव की दृष्टिगत राज्य सरकारों से इस संदर्भ में अपना अभिमत देने को कहा है। महाराज को उम्मीद है कि पंचायतों को सशक्त करने के लिए जिला पंचायत अध्यक्ष और क्षेत्र पंचायत प्रमुख के प्रत्यक्ष चुनाव को लेकर जो प्रयास उनके द्वारा किए गये हैं निश्चित रूप उसके परिणाम बेहद सकारात्मक होंगे।

डीएम धीराज सिंह गब्र्याल की अध्यक्षता में हुई जिला पर्यटन विकास समिति की बैठक

हरिद्वार। जिलाधिकारी धीराज सिंह गब्र्याल की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलक्ट्रेट में पर्यटन विभाग की जिला योजनाओं की संरचना एवं क्रियान्वयन हेतु जिला पर्यटन विकास समिति की एक बैठक आयोजित हुई।

जिलाधिकारी धीराज सिंह गब्र्याल को बैठक में जिला पर्यटन विकास अधिकारी सुरेश सिंह यादव ने नए पर्यटन डेस्टिनेशन के चयन व विकास, विभागीय परिसम्पत्तियों के संचालन एवं रख रखाव, पर्यटन अवस्थापना सुविधाओं के विकास के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी दी।

बैठक में माँ मनसा देवी मन्दिर एवं मां चण्डी देवी मन्दिर के सम्बन्ध में विस्तार से चर्चा हुई, जिस पर जिलाधिकारी ने जिला पर्यटन विकास अधिकारी को निर्देश देते हुये कहा कि माँ मनसा देवी मन्दिर एवं मां चण्डी देवी मन्दिर श्रद्धालुओं/यात्रियों की आस्था का केन्द्र है, यहां पूरे सालभर लाखों की संख्या मे ्श्रद्धालुओं एवं यात्रियों का आवागमन रहता है। ऐसे में मां मनसा देवी मन्दिर एवं मां चण्डी देवी मन्दिरों में आधुनिक सुविधाओं के विस्तार के लिये विषेषज्ञ आर्किटेक व कंसलटेंट से प्रस्ताव तैयार करवाकर कार्ययोजना अगली बैठक में अनुमोदन एवं स्वीकृति हेतु प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। इसके अतिरिक्त दोनों मंदिरों के अन्य क्षेत्रों यथा पैदल मार्ग एवं अन्य स्थल, जो वन विभाग के अन्तर्गत आते हैं, उनका भी सम्पूर्ण प्रस्ताव वन विभाग से जिला पर्यटन विकास समिति के सदस्यों के सुझाव को सम्मिलित करते हुए प्रस्तुत करें।

पर्यटन विकास समिति की बैठक में एक म्युजियम बनाने का प्रकरण भी सामने आया। जिस पर जिलाधिकारी धीराज गब्र्याल ने कहा कि चूकि हरिद्वार कुम्भ नगरी के नाम से भी प्रसिद्ध है, यहां पर निर्धारित अवधियों में अद्र्धमहाकुम्भ व महाकुम्भ का आयोजन किया जाता है। अतः महाकुम्भ के प्राचीन इतिहास की जानकारी को समेटे हुये एक म्युजियम की स्थापना पर कार्य किया जाये, जिसके लिये अखाड़ों के सन्त-महात्माओं से वार्ता कर प्रस्ताव प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें।

धीराज सिंह गब्र्याल को बैठक में बजट होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष कुलदीप शर्मा ने अवगत कराया कि शिवमूर्ति से लेकर पुरूषार्थी मार्केट तक रेलवे की भूमि खाली पड़ी है, जहां पर पार्किंग बनायी जा सकती है, जिस पर जिलाधिकारी ने जिला पर्यटन विकास अधिकारी को निर्देश दिए कि उप जिलाधिकारी हरिद्वार एवं रेलवे विभाग के अधिकारियों के साथ इस क्षेत्र का निरीक्षण कर इस सम्बन्ध में रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी प्रतीक जैन, अपर जिलाधिकारी(वित्त एवं राजस्व) बीर सिंह बुदियाल, मुख्य कोषाधिकारी सु नीतू भण्डारी, सचिव रेडक्रास डॉ0 नरेश चौधरी, वन विभाग से सु संदीपा शर्मा, ईओ नगर पंचायत कलियर गौहर हयात, अध्यक्ष बजट होटल एसोसिएशन कुलदीप शर्मा, अखिलेश चौहान, ट्रेवल एसोसिएशन हरिद्वार से उमेश पालीवाल सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित थे।

मंडलसेरा के लोगों ने तहसीलदार व ईओ का किया घेराव

बागेश्वर। हर साल की तरह इस साल भी कुंती गधेरा मंडलसेरा वार्ड के लोगों के लिए आफत बनकर बह रहा है। गुरुवार की रात हुई बारिश से पूरा क्षेत्र जलमग्न हो गया। लोगों के घरों में नालों का पानी घुस गया। इस कारण लोग रातभर सो नहीं पाए। शुक्रवार की सुबह तहसीलदार व ईओ नगर पालिका क्षेत्र में पहुंचे तो लोगों को गुस्सा उन पर टूट पड़ा। क्षेत्र के लोगों ने दोनों का घेराव किया और जलभराव जैसी समस्या से निजात दिलाने की मांग की है। एक घंटे तक लोग अधिकारियों पर गुस्सा निकालते रहे। बाद में किसी तरह उन्हें समझा पाए।

मंडलसेरा बायपास सडक़ बनने के बाद एकाएक मंडलसेरा में मकानों की बाढ़ आ गई। सडक़ किनारे जमीन की कीमत भी दोगुनी हो गई। लेकिन क्षेत्र में बह रहे बरसाती नालों के पानी की निकासी के बारे में किसी ने सोचा तक नहीं। लगातार यहां विकास कार्य होते रहे। यहां हर साल दस से 20 नये मकान बन रहे हैं, लेकिन बरसाती नालों के पानी की निकासी अभी तक नहीं हो पाई है। इस कारण बारिश के दिनों में हर साल कुंती नाले के उफनाते ही लोगों की समस्या बढ़ जाती है। गुरुवार की रात हुई तेज बारिश के बाद समूचा क्षेत्र जलमग्न हो गया। लोगों के घरों तक पानी घुस गया। निर्माण कार्य के लिए आई सामग्री भी मलबे में दब गई। लोग रातभर सो तक नहीं पाए। शुक्रवार की सुबह तहसीलदार दीपिका आर्या, नगर पालिका के ईओ हयात सिंह परिहार जैसे ही क्षेत्र में पहुंचे रातभर से परेशान लोगों का गुस्सा उन पर टूट पड़ा। उन्होंने अधिकारियों ने जलभराव की समस्या से निजात दिलाने की मांग की। अधिकारियों की बातों को क्षेत्र के लोग सुनने को तैयार नहीं। आधा घंटा गुस्सा फूटने के बाद लोग शांत हुए। ईओ ने बताया कि पालिका लगातार क्षेत्र में पानी निकासी के लिए नाली निर्माण का कार्य कर रही है, लेकिन जमीन नहीं मिलने के कारण नालियां नहीं बन पा रही हैं। लोगों ने पानी का रास्ता खुद ही बंद कर दिया है। तहसीलदार ने बताया कि कुंती नाले का पानी सरयू तक पहुंचाने का प्रयास चल रहा है, लेकिन बीच में बने मकानों के चलते इसमें बाधा आ रही है। उन्होंने कहा कि जल्द समस्या का समाधान किया जाएगा। इसके बाद लोग शांत हुए। घेराव करने वालों में रेखा देवी, विमला माजिला, कमला मेहता, रजनी मेहता, आशा फुलारा, गणेश मलडा, सभासद रूपा देवी, किशन विश्वकर्मा आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

विधायक ने किया ग्राम गढ़मीरपुर में तीन सडक़ों के निर्माण कार्यों का शुभारंभ

हरिद्वार। ज्वालापुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम गढ़मीरपुर में तीन सडक़ों के निर्माण कार्यों का विधायक ने फीता काटकर शुभारंभ किया। इस मौके पर विधायक रवि बहादुर ने कहा कि जिस प्रकार पिछले वर्ष की निधि का जनहित में प्रयोग हुआ उसी प्रकार इस वर्ष भी प्रयोग किया जाएगा। जनता का पैसा जनता के लिए है। ब्लॉक अध्यक्ष जुनेद राना ने कहा कि विधायक द्वारा क्षेत्र में विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। इस मौके पर पूर्व दर्जाधारी किरणपाल बाल्मीकि, राव अताउल्लाह, राव परवेज, आबिद प्रधान, जिला पंचायत सदस्य नदीम अली, जुनैद राणा, अर्जुन कर्णवाल, विमल प्रधान, सचिन सैनी, विनीत चौहान, महरूफ सलमानी, सनव्वर अली, सागर नसीम अब्बासी आदि उपस्थित थे।

न्यू हरिद्वार में बड़ी सीवर लाइन डालने की मांग

हरिद्वार। भारतीय समाज सुधार संस्था के संरक्षक डॉ.विशाल गर्ग एवं राष्ट्रीय महासचिव रामदेव मौर्य ने न्यू हरिद्वार कॉलोनी में अधिक क्षमता की सीवरेज पाइपलाइन डालने के उद्देश्य से गंगा प्रदूषण के अधिकारी प्रवेश कुमार को न्यू हरिद्वार का निरीक्षण कराया। इस दौरान डॉ.विशाल गर्ग ने बताया कि आबादी बढने के कारण सीवर लाइन दबाव नहीं झेल पा रही है। जिन कारणों से आए दिन सीवर बहने की समस्या से क्षेत्र के लोग परेशान होते हैं। सडक़ों पर सीवर का गंदा पानी बहता रहता है। कॉलोनी में रहने वाले लोगों को दुर्गंध के कारण काफी परेशानी झेलनी पड़ती है। उन्होंने कहा कि अधिक क्षमता के पाइप लगने चाहिए जिससे सीवरेज बहने की समस्या से लोगों को निजात मिल सके। इस दौरान संरक्षक राजीव त्यागी, अभिनव वशिष्ठ, शक्ति, रामप्रवेश, प्रदीप गोयल, सुभाष जागिड, रामबाबू बंसल, विक्रम सिंह सुखदेव आदि कालोनीवासी मौजूद रहे।

कन्या गुरुकुल परिसर दून में 16अगस्त तक बढ़ाई प्रवेश तिथि

हरिद्वार। गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय प्रशासन ने कन्या गुरुकुल परिसर देहरादून में संचालित पाठ्यक्रमों में एडमिशन की अंतिम तिथि 10 अगस्त से बढ़ाकर 16 अगस्त कर दी है। सीयूईटी न देने वाली छात्राएं भी कन्या गुरुकुल परिसर में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिला ले सकती हैं। कन्ना गुरुकुल परिसर में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रम में रिक्त 100 से अधिक सीटों पर छात्राओं को दाखिला दिया जाएगा। गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय में प्रवेश समिति के अध्यक्ष प्रो. एलपी पुरोहित ने बताया कि कन्या गुरुकुल परिसर देहरादून में एडमिशन की तिथि 10 से बढ़ाकर 16 अगस्त कर दी गई है। कन्या गुरुकुल परिसर में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रम में रिक्त रह गई करीब 100 सीटें और छात्राओं की मांग पर एडमिशन की अंतिम तिथि बढ़ाए जाने का निर्णय लिया गया है। प्रो. पुरोहित ने बताया कि कन्या गुरुकुल परिसर देहरादून में एससीए, बीए विभिन्न विषय, बीए ऑनर्स के साथ ही बीएससी कंप्यूटर साइंस के पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं। वहीं एमए स्तर पर हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, इतिहास, गणित, योग और पीजी डिप्लोमा योग आदि के पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं। गुरुकुल कांगड़ी विवि के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने बताया कि कन्या गुरुकुल परिसर देहरादून में आयोजित संचालित सभी पाठ्यक्रमों में सीयूईटी न देने वाली छात्राओं को एडमिशन दिया जाएगा। अंतिम तिथि के बाद किसी भी छात्रा का आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

सम्पूर्ण काशी ही स्वयंभू.. ऐसे में ज्ञानव्यापी मंदिर था और रहेगा : गिरी

हरिद्वार। महामंडलेश्वर स्वामी सोमेश्वरानंद गिरी ने कहा कि सम्पूर्ण काशी ही स्वयंभू है। ऐसे में ज्ञानव्यापी मंदिर था और रहेगा। बैरागी कैंप स्थित शंकराचार्य आश्रम के अध्यक्ष महामंडलेश्वर सोमेश्वरानंद गिरी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि सभी को शुद्ध मन से विचार कर ज्ञानव्यापी को हिंदुओं को सौंप देना चाहिए। ज्ञानवापी में बना कूप भी वहां मंदिर होने का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि धार्मिक स्थलों की रक्षा के लिए देश के सभी संत महापुरूषों को एकजुट होना होगा। संत महापुरूषों ने हमेशा ही देश को आगे बढ़ाने में योगदान किया है।

पेयजल संबंधि समस्याओं के समाधान की मांग

हरिद्वार। मेयर प्रतिनिधि अशोक शर्मा के नेतृत्व में क्षतिग्रस्त पेयजल लाइनों की मरम्मत के लिए जल संस्थान के अधिकारी से मुलाकात की। पंतद्वीप स्थित जल संस्थान कार्यालय पहुंचकर पेयजल संबंधि समस्याओं जलसंस्थान के अधिकारी को अवगत कराया। उन्होंने जल्द से जल्द से समस्या का समाधान करने की मांग की। इस दौरान प्रदीप अग्रवाल, सुनील कुमार, आशीष जैन, गणेश दत्त, सतीश सढ़ाना,गौरी शंकर पांडे, दीपक सड़ाना, कमल कुमार, विजय कुमार, रवि कुमार, मनोज जैन उपस्थित रहे।